कृषक है देश की आत्मा, इसे शक्तिशाली बनाने की जरूरत:तंवर

राष्ट्रीय किसान सशक्तिकरण दिव्य महोत्सव में जुटे देशभर के किसान

आबूरोड़, 12 दिसम्बर, निसं। भारत कृ षि प्रधान देश है तथा भारत की आत्मा गाँव में बसती है। आज वही आत्मा कमजोर होती जा रही है। वातावरण के असामयिक बदलाव से कृषकों को हर बार आर्थिक और मानसिक परेशानियों से गुजरना पड़ता है। ऐसी परिस्थितियों से बचाव के लिए किसानों का आध्यात्मिक सशक्तिकरण की जरूरत है। उक्त उदगार हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक तंवर ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज संस्था के शांतिवन में आयोजित राष्ट्रीय किसान सशक्तिकरण दिव्य महोत्सव सम्मेलन में सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि बहुत से किसान ऐसे बदलावों को स्वीकारने में सक्षम नहीं होते और वे आत्महत्या कर लेते है। अत: इसी कृषक रूपी आत्मा को शक्तिशाली बनाने के लिए ब्रह्माकुमारीज संस्थान का प्रयास सराहनीय है। जब तक किसानों का सशक्तिकरण नहीं होगा तब तक ऐसी समस्याओं का समाधान मुश्किल है। हरियाणा जैसे राज्यों में भी किसानों के सशक्तिकरण के लिए ऐसे प्रयासों की जरूरत है ताकि उनका सर्वांगिण विकास हो सके। तीन दिन तक चलने वाले इस सम्मेलन से निश्चित तौर पर किसानों में सकारात्मक संदेश जायेगा।

ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि गॉवों के लोगों में सबसे ज्यादा जरूरत है कि उन्हें सामाजिक कुरीतियों और अंधविश्वास से बाहर निकाला जाये। ताकि वे अपनी उर्जा को कृषि और समाज के विकास में लगा सकें। हम सब एक परमात्मा की सन्तानें है। हम सबका आपस में आत्मिक नाता है। अत: हमें हरेक परिस्थितियों में एक-दो के सहयोगी बनना चाहिए।

पंजाब कृषि विपणन बोर्ड के उपाध्यक्ष रविन्द्र सिंह चीमा ने कहा कि पंजाब कृषि के क्षेत्र में अग्रणी है परन्तु वहॉ नशा और धूम्रपान से लोग ग्रसित होते जा रहे है ऐसे में किसानों की ज्यादा आय इसमें ही नष्ट हो जाती है। इसलिए इस किसान सशक्तिकरण अभियान के जरिये इन्हें इससे बचाया जा सकता है। इसके लिए ब्रह्माकुमारीज संस्थान को सकारात्मक प्रयास में तेजी लाने की जरूरत है। संस्था ने जो खेती की नई पद्धति निकाली है वह वास्तव में आधुनिक वातावरण के साथ तालमेल बनाने में कारगर है।

भारत स्वाभिमान गोवा के अध्यक्ष कमलेश वन्देकर, **ब्रह्माकुमारीज संस्था के महासचिव बीके निर्वेर** ने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है और आज भी देश की आबादी के सत्तर प्रतिशत लोग गॉवों में रहते है। उन्हें आधुनिक संसाधनों का उपयोग कृषि विकास में लगाने चाहिए जब कि सर्वांगिण विकास के लिए आध्यात्मिक रूप से सशक्त होना जरूरी है। इसलिए ब्रह्माकुमारीज संस्थाने पूरे देश में इस तरह के अभियानों का आयोजन कर रही है।

प्रेस इन्फार्मेशन व्यूरो जयपुर की निदेशिका प्रज्ञा पालिवाल ने सरकारी योजनाओं से किसानों को अवगत कराते हुए कहा कि किसानों को इसके प्रति जागृत होना चाहिए जिससे ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सके। ग्राम विकास प्रभाग की **अध्यक्षा बीके मोहिनी**, **राष्ट्रीय संयोजिका बीके सरला** ने अपने अपने विचार व्यक्त करते हुए किसानों को ज्यादा से ज्यादा यौगिक और जैविक खेती करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर ग्राम विकास प्रभाग के **मुख्यालय संयोजक बीके राजू,** संस्थान की कार्यक्रम प्रबन्धिका **बीके मुन्नी** समेत कई लोगों ने अपने अपने विचार व्यक्त किये।